Est. 2016

THE XAVERIAN

Official Monthly News Bulletin of St. Xavier's College, Simdega

Volume 2, Issue7: July, 2026

The Message

The monsoon showers and thunderstorms have quenched the thirst of the campus, transforming the college surroundings into a lush green landscape and further enhancing into eco-friendly environment.

Along with the university exams the students started enjoying their classes. Career and character formation have challenged the students to be serious in academic life. It is important to understand that life becomes truly beautiful and meaning when one shoulders one's responsibilities with sincerity and dedication. A sense of responsibility makes a person understand the value of life in the society, community and family. A responsible person makes one's journey keeping his/her goal focussed with total surrender and commitment in the hands of his/her creator. Humility leads one to working hard where one strives to know the value of sweat. College life is a challenge to stand alone to experience one's strength and disposition to guide one's life with total responsibility. This life is also a transition from immaturity to maturity emotionally and spiritually.

Dear students, increase your inner strength so that you could stand firm in the journey of life. Acquire the right knowledge that will make you successful ahead.

Principal

Dr. Fr. Roshan Baa, SJ

Editorial

"With a vision to promote environmental awareness, students and faculty celebrated Van Mahotsav under the leadership of Green Guardians.

An innovative initiative further strengthened this mission: each department was presented with a plant and entrusted with its care. This thoughtful activity has encouraged every department to take responsibility for nurturing and preserving nature.

The month envisioned the tribal ethos with the inspiring talk on the topic of Adiwasi Darshan, offering students valuable insights into the richness and significance of Adiwasi culture.

Education is not confined to classrooms alone. Every tree we plant, every lecture we attend, and every responsibility we undertake shapes our character and strengthens our commitment to society. Such experiences inspire us to become responsible citizens who value knowledge, care for nature, and contribute positively to the world around us.

As we move forward, let us continue to grow together with knowledge, responsibility, and compassion. May the spirit of learning and service guide us in every endeavour.

The Editor

Asst. Prof. Pyari Kullu

Van Mahostsav

Green Guardian Club and Geography Department celebrated Van Mahotsav 2026 through campus plantation drives, academic lectures, and village outreach.

Lecture: Modern Hindi Poetry

The Department of Hindi organized a special Lecture in collaboration with IQAC. A renowned poet and academician Dr. Anuj Lugun addressed the students and staff on tribal philosophy and modern Hindi poetry. It was an enriching experience for everyone.

World Paper Bag Day

The Deptt. of Political Science, NCC, and NSS jointly collaborated for World Paper Bag Day, spreading environmental awareness through paper-bag making.

Faculty Meeting

There was a short meeting of the faculty members under the guidance of IQAC Coordinator to make a better academic and institutional plan.

Hedges plantation

Students successfully planted hedges in the campus. It was a great team effort that added fresh greenery to our campus environment.

Viva-voce Exam of Students

Students giving their best efforts during the final viva examinations.

Feast of St. Ignatius of Loyola

Our college celebrated the Feast of St. Ignatius of Loyola. Students and staff came together to honor his life and reflect on the values of service, leadership, and learning.

Premchand Jayanti

On July 30, 2026, the Department of Hindi in collaboration with IQAC organized a special event to celebrate Premchand Jayanti, honouring the life and literary legacy of *Upanyas Samrat* Munshi Premchand.

Nasha Mukt Yuva-Viksit Bharat

Through powerful Nukkad Natak performance and creative reels, our students won First prize in the 'Nasha Mukt Yuva Aur Viksit Bharat' campaign organised by the Ministry of Youth Affairs, GoI.

Sumit Minz a student of B.com semester 7 has won the first prize in Reel making competition! He shall also be going forward for the state-level competition to be held in Ranchi next week.

https://newsdekho.co.in
झारखण्ड NEWS देखो
अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस
News देखो Simdega | 3 जुलाई 2026 (शुक्रवार)

सेंट जेवियर्स कॉलेज सिमडेगा में सात दिवसीय वन महोत्सव का शुभारंभ, 50 पौधारोपण के साथ पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

#सिमडेगा #वन_महोत्सव : जलवायु संरक्षण के संकल्प के साथ कॉलेज परिसर में सात दिवसीय अभियान शुरू हुआ।

सत्यम कुमार केशरी
सिमडेगा नगर क्षेत्र

सिमडेगा में पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में सेंट जेवियर्स कॉलेज ने एक सराहनीय पहल की है। कॉलेज परिसर में सात दिवसीय वन महोत्सव 2026 का शुभारंभ उत्साह और जागरूकता के वातावरण में हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों और समाज में प्रकृति संरक्षण की जिम्मेदारी का भाव विकसित करना भी है। शुरुआती तीन दिनों में ही पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण को लेकर विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया।

सेंट जेवियर्स कॉलेज, सिमडेगा के ग्रीन गार्जियन क्लब और भूगोल विभाग ने आईक्यूएसी (IQAC) के सहयोग से सात दिवसीय वन महोत्सव 2026 का आयोजन शुरू किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से अवगत कराना तथा अधिक से अधिक पौधारोपण के लिए प्रेरित करना है।

"प्रकृति की रक्षा की ओर एक कदम" विषय पर आधारित इस अभियान में छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। उद्घाटन सत्र में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में भूगोल विभाग की अंजलि कुमारी एवं रोज़ डांग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दोनों छात्राओं ने कार्यक्रम के संचालन और विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय सहयोग दिया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संदेशों को साझा किया और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का प्रयास किया।

कार्यक्रम के दौरान शोभित बाड़ा ने वन महोत्सव के इतिहास एवं इसके सामाजिक और पर्यावरणीय महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि मानव जीवन, जैव विविधता और भविष्य की पीढ़ियों के अस्तित्व के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं।

उन्होंने कहा कि वन महोत्सव केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है।

कार्यक्रम में भूगोल विभागाध्यक्ष सहायक प्रोफेसर हेम्ब्रोम मार्सेल एवं सहायक प्रोफेसर जस्टिन सोरेंग ने विशेष व्याख्यान दिए।

सहायक प्रोफेसर जस्टिन सोरेंग ने "वन और आर्थिक विकास: ग्रामीण अर्थव्यवस्था की समस्याएं और समाधान" विषय पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में वन संसाधनों की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भविष्य की आर्थिक स्थिरता के लिए भी आवश्यक है।

> सहायक प्रोफेसर जस्टिन सोरेंग ने कहा, "वन केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं करते, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत आधार प्रदान करते हैं।"

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने लगातार बढ़ते वैश्विक तापमान, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ता तापमान पूरी मानवता के लिए चुनौती बन चुका है और इस संकट से निपटने के लिए बड़े पैमाने पर पौधारोपण आवश्यक है।

वन महोत्सव के दौरान पर्यावरण संरक्षण को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का भी प्रयास किया गया। कॉलेज परिसर में पहले से मौजूद सभी पौधों की गणना की गई तथा उनकी जियो-टैग तस्वीरें (Geo-tag Pictures) [illegible] उनका रिकॉर्ड तैयार किया गया।

इस पहल का [illegible] भविष्य [illegible] की निगरानी, स[illegible] और [illegible]निक तरीके से उनकी देख[illegible] सुनिश्चित करना है।

महोत्सव के शुरुआती तीन दिनों के दौरान कॉलेज परिसर में 50 इमारती एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया।

पौधारोपण अभियान में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कॉलेज परिवार ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहकर उनके बड़े होने तक नियमित देखभाल करने का भी संकल्प लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य परिसर को अधिक हरित बनाना और विद्यार्थियों को प्रकृति से जोड़ना है।

वन महोत्सव के आगामी चरणों में कॉलेज द्वारा गोद लिए गए गांव खिजरी नावाटोली में विशेष पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा।

इसके अलावा ग्रामीणों की भागीदारी से पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत औषधीय पौधों का रोपण भी किया जाएगा।

सात दिवसीय वन महोत्सव के आगामी दिनों में विद्यार्थियों के लिए कई रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

इनमें प्रमुख रूप से—

- ड्राइंग प्रतियोगिता
- पेंटिंग प्रतियोगिता
- निबंध लेखन
- कविता लेखन
- पर्यावरण जागरूकता गतिविधियां

जैसे कार्यक्रम शामिल हैं, ताकि विद्यार्थी पर्यावरण संरक्षण के विषय को रचनात्मक रूप से समझ सकें।

सेंट जेवियर्स कॉलेज, सिमडेगा का यह अभियान केवल औपचारिक पौधारोपण कार्यक्रम नहीं, बल्कि पर्याव[illegible] संरक्षण को व्यवहार में उतारने [illegible] एक सार्थक पहल है। जलवायु परिवर्तन [illegible] वैश्विक चुनौती के दौ[illegible] कार्यक्रम [illegible] को [illegible] प्र[illegible] बनाते हैं। यदि ल[illegible] पौधों की नियमित देखभाल स[illegible] की जाए तो यह अभियान आने वाले वर्षों में हरित भविष्य की मजबूत नींव साबित हो सकता है। हर खबर पर रहेगी हमारी नजर।

पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं का विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। यदि हर व्यक्ति वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल करे तो जलवायु परिवर्तन की चुनौती से मुकाबला करना आसान हो सकता है। आइए, प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं और हरियाली बढ़ाने के इस अभियान का हिस्सा बनें।

अपने आसपास भी पौधारोपण करें, दूसरों को प्रेरित करें और पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी का आंदोलन बनाएं। अपनी राय कमेंट में जरूर साझा करें, इस खबर को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं और हरित भविष्य के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

हिन्दुस्तान

संत जेवियर कॉलेज सिमडेगा में विश्व पेपर बैग दिवस उत्साह से मनाया गया

धरती को बचाना है तो प्लास्टिक नहीं, प्रकृति को अपनाना होगा

बोले फा. डॉ रोशन

- कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पेपर बैग बनाकर अपनी प्रतिभा दिखाई
- संचालन तान्या डुंगडुंग ने किया, धन्यवाद ज्ञापन प्रो. रोशन गिद्ध ने किया

सिमडेगा, प्रतिनिधि। घवाईपानी स्थित संत जेवियर कॉलेज सिमडेगा में शनिवार को विश्व पेपर बैग दिवस उत्साह, रचनात्मकता और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ मनाया गया। राजनीतिक विज्ञान विभाग, एनएसएस एवं एनसीसी के द्वारा आईक्यूएसी के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने न केवल पेपर बैग बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया बल्कि प्लास्टिक मुक्त समाज का मजबूत संदेश भी दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य फा. डॉ. रोशन बा ने कहा कि प्रकृति ने हमें स्वच्छ हवा, निर्मल जल और हरियाली का अनमोल उपहार दिया है। अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए इस धरोहर को सुरक्षित रखें। उन्होंने कहा कि आज सिंगल यूज़ प्लास्टिक धरती के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। यदि हम अभी से अपनी छोटी-छोटी आदतों में बदलाव नहीं लाए, तो भविष्य में पर्यावरणीय संकट और भी विकराल रूप ले सकता है। उन्होंने कहा कि हर छात्र अपने घर, परिवार और समाज में पर्यावरण संरक्षण का दूत बने। बाजार जाते समय कपड़े या पेपर बैग का उपयोग करें। पर्यावरण की रक्षा किसी एक संस्था या सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

उन्होंने कहा कि संत जेवियर कॉलेज केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही नहीं बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक नागरिक तैयार करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। विशिष्ट अतिथि उप प्राचार्य सह बर्सर फा. ब्रुनो टोप्पो एवं उप-प्राचार्य फा. डॉ. समीर जेवियर भेंगरा ने विद्यार्थियों से दैनिक जीवन में प्लास्टिक का प्रयोग कम करने और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने की अपील की।

मुख्य वक्ता एवं राजनीतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. ईशान तिरु ने कहा कि सिंगल-यूज़ प्लास्टिक भूमि, जल, वन्यजीव और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। यदि प्रत्येक व्यक्ति केवल एक प्लास्टिक बैग की जगह एक पेपर बैग का उपयोग शुरू कर दे, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है। एनसीसी कैडेट नीलम कुमारी ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने अपने हाथों से आकर्षक और उपयोगी पेपर बैग तैयार किए। मौके पर भी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अतिथियों ने सामूहिक रूप से सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा पेपर बैग एवं अन्य पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को अपनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का संचालन तान्या डुंगडुंग ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. रोशन किशोर गिद्ध ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रो. अजय कुमार, प्रोफेसर सह कोऑर्डिनेटर जस्टिन सोरेंग, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. निशा रानी धनवार, एनसीसी एएनओ प्रो. रोशन किशोर गिद्ध सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

सिमडेगा में शनिवार को विश्व पेपर बैग दिवस पर बोलते प्राचार्य फा. डॉ. रोशन बा।

सेंट जेवियर्स कॉलेज में वन महोत्सव शुरू 50 से अधिक पौधे लगाये गये

प्रतिनिधि, सिमडेगा

पर्यावरण संरक्षण और धरती को सुरक्षित रखने में पेड़-पौधों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण

प्रकृति संरक्षण व पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेंट जेवियर्स कॉलेज सिमडेगा के ग्रीन गार्जियन क्लब और भूगोल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कॉलेज परिसर में सात दिवसीय वन महोत्सव का शुभारंभ किया गया. उद्घाटन सत्र में छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही. कार्यक्रम के संचालन में भूगोल विभाग की अंजलि कुमारी और रोज डांग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी, जबकि शोभित बाड़ा ने वन महोत्सव के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला. भूगोल विभागाध्यक्ष सहायक प्रोफेसर हेम्ब्रोम मार्सेल तथा सहायक प्रोफेसर जस्टिन सोरेंग ने विशेष व्याख्यान दिये. प्रो सोरेंग ने वन और आर्थिक विकास ग्रामीण अर्थव्यवस्था की समस्याएं एवं समाधान विषय पर अपने विचार रखे. वक्ताओं ने वैश्विक औसत तापमान में लगातार हो रही वृद्धि और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर चिंता जताते हुए कहा कि बढ़ता तापमान पूरी मानवता के लिए चुनौती बन चुका है. कहा कि पर्यावरण संरक्षण और धरती को सुरक्षित रखने में पेड़-पौधों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है. महोत्सव के दौरान आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए कॉलेज परिसर में मौजूद सभी पौधों की गणना की गयी. उनकी जियो-टैग तस्वीरें लेकर उनकी पहचान भी सुनिश्चित की गयी. साथ ही परिसर को अधिक हरित बनाने के उद्देश्य से मेगा प्लांटेशन ड्राइव चला कर 50 इमारती एवं फलदार पौधे लगाये गये. सात दिवसीय वन महोत्सव के तहत आगामी दिनों में गोद लिए गये गांव खिजरी नावाटोली का दौरा, ग्रामीणों के साथ पौधरोपण अभियान, औषधीय पौधों का रोपण तथा छात्र-छात्राओं के लिए ड्राइंग, पेंटिंग, निबंध और कविता लेखन जैसी विभिन्न रचनात्मक गतिविधियां व प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी.

कार्यक्रम में शामिल छात्र-छात्राएं व अन्य.

Media Effects

वृक्षारोपण से सामाजिक सरोकार तक, सेंट जेवियर्स कॉलेज का छह दिवसीय वन महोत्सव संपन्न

प्रातः आवाज

सिमडेगाः- सेंट जेवियर्स कॉलेज, सिमडेगा में 'ग्रीन गार्जियन क्लब' और भूगोल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित छह दिवसीय वन महोत्सव का समापन बेहद उत्साहजनक और प्रेरणादायक रहा। महोत्सव के अंतिम चरण में कॉलेज की टीम ने न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया, बल्कि सामाजिक सरोकार की भी एक अनूठी मिसाल पेश की।इस बहुआयामी अभियान के तहत कॉलेज परिसर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया गया। कॉलेज की टीम और विद्यार्थियों ने इस दौरान व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान (Plantation Drive) चलाया। प्रकृति और स्वास्थ्य के संतुलन को ध्यान में रखते हुए जहां एक ओर कॉलेज परिसर के भीतर औषधीय गुणों से भरपूर पौधों को लगाया गया, वहीं दूसरी ओर स्थानीय गांवों में भी सघन पौधारोपण किया गया।कॉलेज के ग्रीन गार्जियन क्लब और भूगोल विभाग के सदस्यों ने विशेष रूप से खिजरी और सहयोग गांवों का दौरा किया। इन गांवों में ग्रामीणों के साथ मिलकर फलदार और छायादार पेड़ लगाए गए और पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया गया।वृक्षारोपण के साथ-साथ इस अभियान का एक बड़ा आकर्षण सामाजिक सेवा भी रहा। 'सहयोग' गांव के दौरे के दौरान टीम के सदस्यों ने स्थानीय स्कूली बच्चों के बीच कॉपियाँ, पेन, पेंसिल और अन्य आवश्यक स्टेशनरी सामग्री का वितरण किया। शिक्षा और पर्यावरण के इस अनूठे जुड़ाव ने ग्रामीण बच्चों के चेहरों पर भारी मुस्कान ला दी।कॉलेज प्रशासन और भूगोल विभाग के प्राध्यापकों ने इस सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं। इस पूरे अभियान में छात्रों और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी ने इसे एक जन-आंदोलन का रूप दे दिया।

प्रातः आवाज — सिमडेगा/गुमला

संत जेवियर कॉलेज में विश्व पेपर बैग दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश

प्रातः आवाज

सिमडेगाः- संत जेवियर कॉलेज, सिमडेगा के स्थायी परिसर, घवईपानी में शनिवार को राजनैतिक विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) द्वारा IQAC के तत्वावधान में विश्व पेपर बैग दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सिंगल-यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जन-जागरूकता फैलाना तथा दैनिक जीवन में पर्यावरण-अनुकूल विकल्प के रूप में पेपर बैग के उपयोग को बढ़ावा देना था।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य फ्रा. डॉ. रोशन बा थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में उप-प्राचार्य सह बर्सर फ्रा. बुनी टोप्पो एवं उप-प्राचार्य फ्रा. डॉ. समीर जेवियर भौरा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रो. अजय कुमार, प्रोफेसर सह कोऑर्डिनेटर जस्टिन सोरेंग, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. निशा रानी धनवार, एनसीसी एएनओ प्रो. रोशन किशोर गिद्ध तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं राजनीतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. ईशान तिर ने अपने संबोधन में कहा कि सिंगल-यूज प्लास्टिक आज पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। इसके कारण भूमि, जलस्रोत, वन्यजीव और मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से दैनिक जीवन में पेपर बैग एवं अन्य पर्यावरण-अनुकूल (इको-फ्रेंडली) उत्पादों को अपनाने का आ[illegible] किया। उन्होंने क[illegible] पर्यावरण संरक्षण [illegible] सरका[illegible] दायित्व नहीं, ब[illegible] की नैतिक जिम्मेदा[illegible] पर एनसीसी कैडेट [illegible] ने भी अपने विचार व्यक्त [illegible] हुए सभी से प्लास्टिक [illegible] का उपयोग बंद कर पेपर बैग अपना[illegible] की अपील की। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी आदतों में परिवर्तन से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने स्वयं आकर्षक एवं उपयोगी पेपर बैग तैयार किए तथा प्लास्टिक मुक्त जीवन का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने अपने [illegible] निर्मित पेपर [illegible] महाविद्यालय के प्राचार्य फ्रा. [illegible] किए और दैनि[illegible] की थैलियों [illegible] पेपर बैग अपना[illegible] किया। इस [illegible] छात्र-[illegible] शिक्षकों एवं अतिथियों ने [illegible] प्लास्टिक का उपयोग [illegible] तथा पर्यावरण संरक्षण [illegible] लिए अधिकाधिक पेपर बैग एवं अन्य पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों का प्रयोग करने का सामूहिक संकल्प लिया।कार्यक्रम का संचालन तान्या डुंगडुंग ने किया। धन्यवाद ज्ञापन एनसीसी एएनओ प्रो. रोशन किशोर गिद्ध ने प्रस्तुत किया। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए महाविद्यालय प्रशासन, सभी अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा आयोजन समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

वन महोत्सव में पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सेंट जेवियर्स कॉलेज में सात दिवसीय अभियान शुरू, तीन दिनों में लगाए गए 50 पौधे

जोहार झारखंड/संवाददाता।

सिमडेगा। प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेंट जेवियर्स कॉलेज, सिमडेगा में ग्रीन गार्जियन क्लब एवं भूगोल विभाग द्वारा आईक्यूएसी (IQAC) के सहयोग से सात दिवसीय वन महोत्सव-2026 का शुभारंभ किया गया। प्रकृति की रक्षा की ओर एक कदम थीम पर आयोजित इस अभियान के पहले तीन दिनों में कॉलेज परिसर में 50 इमारती एवं फलदार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष हेम्ब्रोम मार्सेल एवं सहायक प्राध्यापक जस्टिन सोरेंग ने जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और वनों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि बढ़ते तापमान को नियंत्रित करने और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। महोत्सव के तहत कॉलेज परिसर के सभी पौधों का आधुनिक तकनीक से जियो-टैगिंग कर उनकी पहचान सुनिश्चित की गई। साथ ही छात्र-छात्राओं ने लगाए गए पौधों की देखभाल का संकल्प भी लिया। आगामी दिनों में गोद लिए गए गांव खिजरी नावाटोली में पौधारोपण अभियान, औषधीय पौधों का रोपण तथा ड्राइंग, पेंटिंग, निबंध और कविता लेखन जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। कॉलेज प्रबंधन ने इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल बताया।

https://newsdekho.co.in

NEWS देखो — झारखण्ड

News देखो Simdega | 7 जुलाई 2026 (मंगलवार)

वृक्षारोपण से सामाजिक सेवा तक सेंट जेवियर्स कॉलेज का छह दिवसीय वन महोत्सव बना प्रेरणा, गांवों में लगाए पौधे और बच्चों को बांटी स्टेशनरी

#सिमडेगा #वन_महोत्सव : सेंट जेवियर्स कॉलेज के विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा का दिया संदेश।

सत्यम कुमार केशरी
सिमडेगा नगर क्षेत्र

सिमडेगा स्थित सेंट जेवियर्स कॉलेज में आयोजित छह दिवसीय वन महोत्सव केवल एक पौधारोपण कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी का एक प्रेरणादायक अभियान बनकर सामने आया। कॉलेज के ग्रीन गार्जियन क्लब और भूगोल विभाग के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस महोत्सव में विद्यार्थियों ने न केवल हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी परिचय दिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता का अनूठा संदेश देखने को मिला।

सेंट जेवियर्स कॉलेज, सिमडेगा में आयोजित वन म[illegible] के दौरान कॉलेज परिसर [illegible] के ग्रामीण क्षेत्रों तक [illegible] पौधारोपण अभियान चला[illegible] गया। [illegible] अभियान का उद्देश्य [illegible] लगाना नहीं, बल्कि लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना [illegible]था।

कॉलेज की टीम और विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि प्रकृति और मानव जीवन का संबंध अटूट है तथा पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

वन महोत्सव के दौरान कॉलेज परिसर में कई औषधीय गुणों से भरपूर पौधों का रोपण किया गया। इन पौधों के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण और स्वास्थ्य के बीच के संबंध को समझाने का प्रयास किया गया।

प्राध्यापकों ने बताया कि औषधीय पौधे न केवल पर्यावरण को संतुलित रखने में सहायक होते हैं, बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

महोत्सव के दौरान ग्रीन गार्जियन क्लब और भूगोल विभाग के सदस्यों ने विशेष रूप से खिजरी और सहयोग गांव का दौरा किया। यहां ग्रामीणों के साथ मिलकर फलदार और छायादार पौधे लगाए गए।

ग्रामीणों और विद्यार्थियों ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और आने वाली पीढ़ियों के लिए अधिक हरित और स्वच्छ वातावरण बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

कॉलेज की टीम ने ग्रामीणों से अपील की कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करें, ताकि आने वाले वर्षों में ये पौधे बड़े वृक्ष बनकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभा सकें।

इस अभियान की सबसे खास बात यह रही कि इसे केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रखा गया। सहयोग गांव के दौरे के दौरान कॉलेज की टीम ने स्थानीय स्कूली बच्चों के बीच कॉपियां, पेन, पेंसिल और अन्य आवश्यक स्टेशनरी सामग्री का वितरण किया।

शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के इस अनूठे संगम ने ग्रामीण बच्चों के चेहरों पर खुशी ला दी। बच्चों ने भी पौधों की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

कॉलेज प्रशासन और भूगोल विभाग के प्राध्यापकों ने इस सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में समाज और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं।

कॉलेज प्रशासन ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि समाज और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील नागरिक बनने की प्रेरणा भी देते हैं।

उन्होंने बताया कि छात्रों और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी ने इस पूरे अभियान को एक जन-आंदोलन का रूप दे दिया।

विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण जैसे अभियान समय की आवश्यकता बन गए हैं। यदि शिक्षण संस्थान और समाज मिलकर इस दिशा में काम करें तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़े बदलाव संभव हैं।

सेंट जेवियर्स कॉलेज का यह प्रयास अन्य संस्थानों के लिए भी एक प्रेरणास्रोत बन सकता है।

सेंट जेवियर्स कॉलेज का छह दिवसीय वन महोत्सव यह साबित करता है कि शिक्षण संस्थान केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव के महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। पौधारोपण के साथ ग्रामीण बच्चों की शिक्षा की चिंता करना इस कार्यक्रम को और विशेष बनाता है। आज जब दुनिया जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संकट से जूझ रही है, तब ऐसे अभियान समाज को नई दिशा देने का काम करते हैं। जरूरत इस बात की है कि इस तरह की पहल एक अभियान नहीं, बल्कि जन-आंदोलन बन जाए।

हर खबर पर रहेगी हमारी नजर।

प्रकृति की रक्षा और समाज की सेवा दोनों ही एक बेहतर भविष्य की नींव है। यदि हर व्यक्ति एक पौधा लगाए और जरूरतमंद बच्चों की मदद के लिए आगे आए, तो समाज में बड़ा सकारात्मक बदलाव संभव है।

हरियाली केवल पर्यावरण नहीं बचाती, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के जीवन को भी सुरक्षित करती है। वहीं शिक्षा का छोटा-सा सहयोग भी किसी बच्चे के सपनों को नई उड़ान दे सकता है।

आप भी अपने आसपास पौधारोपण करें, बच्चों की शिक्षा में सहयोग दें और समाज के लिए सकारात्मक बदलाव का हिस्सा बनें। इस प्रेरणादायक खबर को अधिक से अधिक साझा करें और अपनी राय कमेंट में जरूर बताएं।

हिन्दुस्तान

संत जेवियर्स में हॉस्टल की सुविधा शुरू

- विद्यार्थियों की सुविधा के लिए नियमित बस सेवा शुरू की जाएगी
- बस सेवा के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा

सिमडेगा, प्रतिनिधि। उच्च शिक्षा के साथ बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से घवईपानी स्थित संत जेवियर्स कॉलेज में छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग हॉस्टल की सुविधा बहाल की गई है।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. फा. रोशन बाः ने बताया कि हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, समय पर भोजन, अनुशासित दिनचर्या और शैक्षणिक मार्गदर्शन की सुविधा मिलेगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के उन छात्रों को विशेष लाभ होगा, जिन्हें प्रतिदिन लंबी दूरी तय कर कॉलेज आना पड़ता है। उन्होंने बताया कि छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खूंटीटोली से कॉलेज तक नियमित बस सेवा शुरू की जाएगी। इसके अलावा विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की मांग के अनुसार अन्य क्षेत्रों में भी चरणबद्ध तरीके से बस सुविधा बहाल की जाएगी। डॉ. फा. रोशन बाः ने कहा कि बस के लिए छात्रों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। बस का किराया केवल क्लास के दौरान कॉलेज आने-जाने की सेवा के लिए ही देय होगा। जिससे विद्यार्थियों और अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि संत जेवियर्स कॉलेज में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित हॉस्टल, परिवहन सुविधा और अनुशासित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कॉलेज में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में नई एजुकेशन पॉलिशी के तहत पढ़ाई हेतु नामांकन प्रक्रिया जारी है। कॉलेज प्रशासन ने इच्छुक छात्र-छात्राओं से समय रहते नामांकन कराने की अपील की है। नामांकन के लिए कॉलेज कार्यालय अथवा हेल्पलाइन नंबर 7979769389 पर संपर्क किया जा सकता है। स्नातक स्तर पर बी.एससी. संकाय में गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जियोलॉजी, जूलॉजी एवं बॉटनी विषय, बी.ए. में अंग्रेजी, हिंदी, इतिहास, अर्थशास्त्र, भूगोल एवं राजनीति विज्ञान तथा बी.कॉम में अकाउंट्स प्रतिष्ठा विषय में नामांकन लिया जा रहा है। वहीं स्नातकोत्तर स्तर पर एम.ए. के अंग्रेजी, हिंदी, इतिहास, अर्थशास्त्र, भूगोल एवं राजनीति विज्ञान तथा एम.कॉम के अकाउंट्स में भी नामांकन की सुविधा उपलब्ध है।

Media Effects

Media Effects

NEWS देखो
झारखण्ड

News देखो Simdega | 11 जुलाई 2026 (शनिवार)

संत जेवियर कॉलेज सिमडेगा में विश्व पेपर बैग दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प, छात्रों ने तैयार किए आकर्षक पेपर बैग

#सिमडेगा #विश्वपेपरबैग_दिवस : सिंगल-यूज़ प्लास्टिक छोड़ने और पेपर बैग अपनाने का सामूहिक संदेश दिया गया।

सत्यम कुमार केशरी
सिमडेगा नगर क्षेत्र

सिमडेगा के धवईपानी स्थित संत जेवियर कॉलेज के स्थायी परिसर में शनिवार को विश्व पेपर बैग दिवस उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। राजनीतिक विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) द्वारा आईक्यूएसी के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा दैनिक जीवन में पर्यावरण-अनुकूल विकल्प के रूप में पेपर बैग के उपयोग को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अतिथियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य फ्रा. डॉ. रोशन बा थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में उप-प्राचार्य सह बर्सर फ्रा. ब्रुनो टोप्पो एवं उप-प्राचार्य फ्रा. डॉ. समीर जेवियर भौंरा उपस्थित रहे।

इस अवसर पर प्रो. अजय कुमार, प्रोफेसर सह कोऑर्डिनेटर जस्टिन सोरेंग, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. निशा रानी धनवार, एनसीसी एएनओ प्रो. रोशन किशोर गिद्ध तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं राजनीतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. ईशान तिरु ने अपने संबोधन में सिंगल-यूज़ प्लास्टिक से पर्यावरण को होने वाले नुकसान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग से भूमि, जलस्रोत, वन्यजीव और मानव स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ रहे हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने चाहिए।

> राजनीतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. ईशान तिरु ने कहा, "सिंगल-यूज़ प्लास्टिक आज पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है।"

उन्होंने विद्यार्थियों से पेपर बैग और अन्य इको-फ्रेंडली उत्पादों के उपयोग को अपनी आदत का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट नीलम कुमारी ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने सभी से प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग बंद कर पेपर बैग अपनाने की अपील की।

> एनसीसी कैडेट नीलम कुमारी ने कहा, "छोटी-छोटी आदतों में परिवर्तन से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।"

उन्होंने विद्यार्थियों से अपने परिवार और समाज को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम की विशेष आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए आकर्षक एवं उपयोगी पेपर बैग रहे। छात्र-छात्राओं ने अपने हाथों से विभिन्न प्रकार के पेपर बैग बनाकर प्लास्टिक मुक्त जीवन का संदेश दिया।

विद्यार्थियों ने अपने द्वारा निर्मित पेपर बैग प्राचार्य फ्रा. डॉ. रोशन बा को भेंट किए और दैनिक जीवन में प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर पेपर बैग अपनाने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अतिथियों ने सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने, अधिक से अधिक पेपर बैग एवं अन्य पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों का उपयोग करने का सामूहिक संकल्प लिया।

कार्यक्रम का संचालन तान्या डुंगडुंग ने किया, जबकि एनसीसी एएनओ प्रो. रोशन किशोर गिद्ध ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय प्रशासन, अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं आयोजन समिति के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

विश्व पेपर बैग दिवस जैसे आयोजन केवल जागरूकता कार्यक्रम नहीं, बल्कि व्यवहार परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं। यदि शैक्षणिक संस्थानों से निकलने वाला यह संदेश समाज तक पहुंचे और लोग प्लास्टिक की जगह पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाएं, तो प्रदूषण को काफी हद तक कम किया जा सकता है। प्रकृति की रक्षा के लिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है और ऐसे कार्यक्रम उसी दिशा में सकारात्मक कदम हैं। हर खबर पर रहेगी हमारी नजर।

पर्यावरण संरक्षण किसी एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हर दिन निभाई जाने वाली जिम्मेदारी है।

यदि हम प्लास्टिक की जगह पेपर बैग और अन्य पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाएं, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित धरती छोड़ सकते हैं।

आइए, अपने घर, विद्यालय और समाज से प्लास्टिक मुक्त जीवन की शुरुआत करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

इस खबर पर अपनी राय कमेंट में साझा करें, इसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं और पर्यावरण संरक्षण के इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में अपनी भागीदारी निभाएं।

NEWS देखो
झारखण्ड

News देखो Simdega | 15 जुलाई 2026 (बुधवार)

विश्व युवा कौशल दिवस पर सेंट ज़ेवियर्स कॉलेज में कौशल विकास पर विशेष कार्यक्रम, युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का संदेश

#सिमडेगा #विश्वयुवाकौशल_दिवस : कौशल विकास और रोजगारोन्मुख शिक्षा पर विशेषज्ञों ने युवाओं को किया जागरूक।

सत्यम कुमार केशरी
सिमडेगा नगर क्षेत्र

विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर सिमडेगा स्थित सेंट ज़ेवियर्स कॉलेज के स्थायी परिसर धवईपानी में एनसीसी कंपनी संख्या 05/46 द्वारा आईक्यूएसी (IQAC) के तत्वावधान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास, रोजगार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में कॉलेज प्रशासन, एनसीसी पदाधिकारी और कैडेट्स की सक्रिय भागीदारी रही।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता 46 झारखंड बटालियन एनसीसी के पीआई स्टाफ हवलदार सौरभ कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में केवल शैक्षणिक डिग्री सफलता की गारंटी नहीं है। बदलते रोजगार बाजार में युवाओं के लिए व्यावहारिक कौशल, तकनीकी दक्षता और निरंतर सीखने की क्षमता अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे समय के साथ नए-नए कौशल सीखें और स्वयं को रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए तैयार करें।

> हवलदार सौरभ कुमार ने कहा, "आज के प्रतिस्पर्धी रोजगार बाजार में केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है। युवाओं को व्यावहारिक कौशल विकसित कर स्वयं को समय की मांग के अनुरूप तैयार करना चाहिए।"

कॉलेज के एएनओ रोशन किशोर गिद्ध ने विश्व युवा कौशल दिवस के इतिहास और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य युवाओं को रोजगार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता के लिए आवश्यक कौशल के प्रति जागरूक करना है।

उन्होंने कहा कि कौशल विकास से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और वे आत्मनिर्भर बनकर समाज तथा राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

> रोशन किशोर गिद्ध ने कहा, "विश्व युवा कौशल दिवस युवाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करने का महत्वपूर्ण अवसर है।"

कार्यक्रम में प्राचार्य फादर डॉ. रोशन बा, उप-प्राचार्य फ्रा. ब्रूनो टोप्पो, उप-प्राचार्य फ्रा. डॉ. समीर भौंरा सहित कॉलेज परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने युवाओं को अपने कौशल का निरंतर विकास करने और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में लगभग 30 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया। कैडेट्स ने कौशल विकास, रोजगार के नए अवसरों और आत्मनिर्भर बनने से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम के दौरान युवाओं को अपने व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

आज के दौर में शिक्षा के साथ कौशल विकास युवाओं की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों को बदलती दुनिया की चुनौतियों और रोजगार के नए अवसरों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि शैक्षणिक संस्थान नियमित रूप से इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करें तो युवाओं की क्षमता और आत्मविश्वास दोनों में सकारात्मक वृद्धि होगी। हर खबर पर रहेगी हमारी नजर।

हर नया कौशल आपके भविष्य की नई संभावना बन सकता है। समय के साथ सीखने की आदत ही युवाओं को आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बनाती है। अपने ज्ञान और कौशल को लगातार विकसित करें तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। अपनी राय कमेंट में साझा करें, इस खबर को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की इस प्रेरक पहल को आगे बढ़ाएं।

विश्व युवा कौशल दिवस पर सेंट ज़ेवियर्स कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित

प्रातः आवाज

सिमडेगा:- विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर सेंट ज़ेवियर्स कॉलेज, सिमडेगा के स्थायी परिसर धवईपानी में एनसीसी कंपनी संख्या 05/46 द्वारा आईक्यूएसी (IQAC) के तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य फादर डॉ. रोशन बा, उप-प्राचार्य फ्रा. ब्रूनो टोप्पो, उप-प्राचार्य फ्रा. डॉ. समीर भौंरा तथा एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता 46 झारखंड बटालियन एनसीसी के पीआई स्टाफ हवलदार सौरभ कुमार ने युवाओं के लिए कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी रोजगार बाजार में सफलता के लिए केवल शैक्षणिक डिग्री ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक कौशल भी आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से समय के साथ नए-नए कौशल सीखने और स्वयं को रोजगार के अनुरूप तैयार करने का आह्वान किया।कॉलेज के एएनओ रोशन किशोर गिद्ध ने विश्व युवा कौशल दिवस के इतिहास एवं महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि इस दिवस का उद्देश्य युवाओं को रोजगार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता के लिए आवश्यक कौशल के प्रति जागरूक करना है।कार्यक्रम में लगभग 30 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया और कौशल विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

सन्मार्ग

विश्व पेपर बैग दिवस पर संत जेवियर कॉलेज में पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सिमडेगा: संत जेवियर कॉलेज के स्थायी परिसर धवईपानी में शनिवार को राजनीतिक विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ने आईक्यूएसी के तत्वावधान में विश्व पेपर बैग दिवस मनाया। कार्यक्रम का उद्देश्य सिंगल-यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना और पेपर बैग के उपयोग को बढ़ावा देना था। मुख्य अतिथि प्राचार्य फ्रा. डॉ. रोशन बा ने पर्यावरण संरक्षण में सभी की सहभागिता पर जोर दिया। मुख्य वक्ता राजनीतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. ईशान तिरु ने कहा कि सिंगल-यूज प्लास्टिक भूमि, जलस्रोत, वन्यजीव और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने विद्यार्थियों से दैनिक जीवन में पेपर बैग और अन्य पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद अपनाने की अपील की। एनसीसी कैडेट नीलम कुमारी ने भी प्लास्टिक थैलों का उपयोग बंद करने का संदेश दिया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने स्वयं पेपर बैग तैयार कर प्राचार्य को भेंट किए और प्लास्टिक मुक्त जीवन का संकल्प लिया।

Media Effects

सेंट जेवियर्स कॉलेज, सिमडेगा में 7-दिवसीय वन महोत्सव का भव्य आयोजनः शुरुआती तीन दिनों में रोपे गए 50 पौधे, जलवायु परिवर्तन पर जताई चिंता

प्रातः आवाजः सिमडेगाः प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए, सेंट जेवियर्स कॉलेज, सिमडेगा के ग्रीन गार्जियन क्लब और भूगोल विभाग ने IQAC के सहयोग से कॉलेज परिसर में 7-दिवसीय 'वन महोत्सव 2026' का भव्य आयोजन शुरू किया है। "प्रकृति की रक्षा की ओर एक कदम" के संकल्प के साथ आयोजित इस विशेष कार्यक्रम के शुरुआती तीन दिन बेहद सफल और ज्ञानवर्धक रहे। महोत्सव के उद्घाटन सत्र की शुरुआत छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी के साथ हुई, जिसमें भूगोल विभाग की अंजलि कुमारी और रोज डांग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।कार्यक्रम के दौरान शोभित बाड़ा ने वन महोत्सव के ऐतिहासिक महत्व से सभी को परिचित कराया। इसके बाद, भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष (H.O.D.) सहायक प्रोफेसर हेम्ब्रोम मा[illegible] और सहायक प्रोफेसर जस्टिन सोरेंग द्वारा विशेष व्याख्यान दिए गए। अपने व्याख्यान में प्रो. सोरेंग ने "वन और आर्थिक विकासः ग्रामीण अर्थव्यवस्था की समस्याएं और समाधान" विषय पर गहराई से प्रकाश डाला। पहले सत्र के समापन पर मुकेश कुमार सिंह ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।इस महोत्सव के दौरान वक्ताओं ने वैश्विक औसत तापमान में लगातार हो रही वृद्धि (Global Warming) और जलवायु परिवर्तन के ज्वलंत मुद्दों पर गहरी चिंता व्यक्त की। कार्यक्रम में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि वर्तमान समय में बढ़ता तापमान पूरी मानवता के लिए एक गंभीर संकट है, और पेड़-पौधे ही इस धरती को बचाने का सबसे सशक्त माध्यम हैं।पर्यावरण संरक्षण के इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए कॉलेज परिसर में एक व्यापक अभियान चलाया गया।आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए परिसर के सभी मौजूदा पौधों की गणना की गई और उनकी जियो-टैग तस्वीरें (Geo-tag Pictures) लेकर पहचान सुनिश्चित की गई।इसके साथ ही, परिसर को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से एक मेगा प्लांटेशन ड्राइव चलाई गई, जिसमें 50 इमारती लकड़ी (Timber) और फलदार पौधों के पौधे रोपे गए। छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक इन पौधों को लगाने के साथ-साथ उनके बड़े होने तक पूरी देखभाल करने की जिम्मेदारी भी ली।यह 7-दिवसीय महोत्सव आगे भी जारी रहेगा। कार्यक्रम के अगले चरणों में गोद लिए गए गांव (खिजरी नावाटोली) का दौरा, ग्रामीणों के साथ पौधारोपण अभियान, औषधीय पौधों का रोपण, और छात्र-छात्राओं के लिए ड्राइंग, पेंटिंग, निबंध व कविता लेखन जैसी विभिन्न रचनात्मक गतिविधियां और प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

The Xaverian Editorial Board

The Editor in Chief

Dr. Fr. Samir Xavier Bhanwra, SJ

Associate Editors

Prof. Jessica Nidhi Tigga, Prof. Ishan Tiru,
Prof. Pyari Kullu, Prof. Bipin Minj

विद्या का अन्तिम लक्ष्य चरित्र निर्माण है।

Bulletin Heads

Asst. Prof. Anamika Nisha Runda

Asst. Prof. Narayan Sai

To be a XAVERIAN

Only for the greater good of the Soceity!